

“Bholi” by K. A. Abbas

“Bholi” is a touching short story written by K. A. Abbas that highlights the importance of education, self-confidence, and women’s empowerment. The story revolves around a simple village girl named Bholi, whose real name is Sulekha. She was the youngest daughter of Ramlal, a revenue officer.

Bholi was different from her other siblings. When she was ten months old, she fell off her cot and injured her brain, which made her a little backward and slow in learning. Later, she also suffered from smallpox, which left her face full of pockmarks. Because of this, everyone in the family and village made fun of her and called her ‘Bholi’.

Her father Ramlal had seven children — three sons and four daughters — and Bholi was considered unlucky. No one cared for her or thought about her future. She wore old clothes passed down from her sisters and remained neglected.

One day, the District Officer visited the village and inaugurated a girls’ primary school. He asked Ramlal to send his daughters to school as an example to others. Ramlal’s wife protested, saying it was useless to educate girls who would be married off soon. But Ramlal thought it would not harm to send Bholi since no one would marry her due to her looks and dullness.

Bholi was frightened at first when she went to school. She had never been treated kindly before. But her teacher spoke to her with affection and encouragement. For the first time, Bholi felt loved and respected. The teacher motivated her to speak without fear and promised that she would soon learn to read and speak confidently. Gradually, under the teacher’s guidance, Bholi gained confidence, self-respect, and courage. Education transformed her personality completely.

Years passed, and one day, a marriage proposal came for Bholi from Bishamber Nath, a rich but middle-aged grocer. He was much older than her, had a limp, and had grown-up children. Still, her parents agreed because he demanded no dowry. On the wedding day, Bishamber saw pockmarks on Bholi’s face and suddenly demanded five thousand rupees as dowry. Ramlal was shocked but helpless. He begged and even placed the money at Bishamber’s feet.

At that moment, Bholi showed great courage. She refused to marry Bishamber, calling him greedy and mean. She said she would not marry such a man and would instead stay at home to serve her parents and teach in the same school. Everyone was stunned by her bravery.

The story ends with Bholi’s transformation — from a timid, neglected girl to a bold, self-respecting woman who stands up for her dignity. Through Bholi’s character, K. A. Abbas shows that education gives women the power to fight against injustice and inequality.

हिन्दी अनुवाद (सारांश):

“भोली” के. ए. अब्बास द्वारा लिखित एक मार्मिक लघुकथा है जो शिक्षा, आत्मविश्वास और महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डालती है। कहानी भोली नाम की एक साधारण गाँव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका असली नाम सुलेखा है। वह राजस्व अधिकारी रामलाल की सबसे छोटी बेटी थी। भोली अपने अन्य भाई-बहनों से अलग थी। जब वह दस महीने की थी, तो वह अपनी चारपाई से गिर गई और उसके मस्तिष्क में चोट लग गई, जिससे वह थोड़ी पिछड़ी और सीखने में धीमी हो गई। बाद में, उसे चेचक भी हो गया, जिससे उसके चेहरे पर दाग पड़ गए। इस वजह से, परिवार और गाँव में सभी उसका मज़ाक उड़ाते थे और उसे ‘भोली’ कहते थे।

उसके पिता रामलाल के सात बच्चे थे - तीन बेटे और चार बेटियाँ - और भोली को बदकिस्मत माना जाता था। कोई भी उसकी परवाह नहीं करता था या उसके भविष्य के बारे में नहीं सोचता था। वह अपनी बहनों से मिले पुराने कपड़े पहनती थी और उपेक्षित रहती थी। एक दिन, ज़िला अधिकारी गाँव आए और उन्होंने लड़कियों के एक प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने रामलाल से कहा कि वह अपनी बेटियों को दूसरों के लिए एक उदाहरण के रूप में स्कूल भेजें। रामलाल की पत्नी ने विरोध किया और कहा कि जिन लड़कियों की जल्द ही शादी होने वाली है, उन्हें पढ़ाना बेकार है। लेकिन रामलाल ने सोचा कि भोली को भेजने में कोई बुराई नहीं है क्योंकि उसके रूप और मंदबुद्धि के कारण कोई भी उससे शादी नहीं करेगा।

भोली जब स्कूल गई तो पहले तो डरी हुई थी। उसके साथ पहले कभी अच्छा व्यवहार नहीं किया गया था। लेकिन उसके शिक्षक ने उससे स्नेह और प्रोत्साहन के साथ बात की। पहली बार, भोली को प्यार और सम्मान का एहसास हुआ। शिक्षक ने उसे बिना किसी डर के बोलने के लिए प्रेरित किया और वादा किया कि वह जल्द ही आत्मविश्वास से पढ़ना और बोलना सीख जाएगी। धीरे-धीरे, शिक्षक के मार्गदर्शन में, भोली में आत्मविश्वास, स्वाभिमान और साहस आया। शिक्षा ने उसके व्यक्तित्व को पूरी तरह से बदल दिया। साल बीत गए, और एक दिन, बिशम्बर नाथ, एक अमीर लेकिन अंधेड़ उम्र के किराना व्यापारी, भोली के लिए शादी का प्रस्ताव आया। वह उससे उम्र में बहुत बड़ा था, लंगड़ाता था, और उसके बच्चे बड़े हो गए थे। फिर भी, उसके माता-पिता मान गए क्योंकि उसने दहेज नहीं माँगा था। शादी के दिन, बिशम्बर ने भोली के चेहरे पर दाग देखे और अचानक दहेज के रूप में पाँच हज़ार रुपये की माँग की। रामलाल हैरान था, लेकिन असहाय था। उसने बिशम्बर से भीख माँगी और पैसे भी उसके पैरों में रख दिए।

उस पल, भोली ने बड़ी हिम्मत दिखाई। उसने बिशम्बर को लालची और मतलबी बताते हुए उससे शादी करने से इनकार कर दिया। उसने कहा कि वह ऐसे आदमी से शादी नहीं करेगी और घर पर रहकर अपने माता-पिता की सेवा करेगी और उसी स्कूल में पढ़ाएगी। उसकी बहादुरी देखकर हर कोई दंग रह गया।

कहानी भोली के बदलाव के साथ समाप्त होती है—एक डरपोक, उपेक्षित लड़की से एक साहसी, स्वाभिमानी महिला में जो अपने सम्मान के लिए खड़ी होती है। भोली के किरदार के माध्यम से, के. ए. अब्बास दिखाते हैं कि शिक्षा महिलाओं को अन्याय और असमानता के खिलाफ लड़ने की शक्ति देती है।

Short Answer Type Questions

1. Why was Sulekha called 'Bholi'? सुलेखा को 'भोली' क्यों कहा जाता था?

Answer: Because she was simple, slow in learning, and often stammered while speaking.
उसे 'भोली' इसलिए कहा गया क्योंकि वह सीधी-सादी थी, पढ़ाई में कमजोर थी और बोलते समय हकलाती थी।

2. What made Bholi different from other children? भोली अन्य बच्चों से किस प्रकार भिन्न थी?

Answer: She was backward in learning and her face was disfigured by smallpox marks.
वह पढ़ाई में धीमी थी और चेहरे के दागों से उसका चेहरा बिगड़ गया था।

3. Why did Ramlal decide to send Bholi to school?

रामलाल ने भोली को स्कूल भेजने का फैसला क्यों किया?

Answer: Because the Tehsildar advised him to send his daughters to school, and he thought no one would marry Bholi anyway.

क्योंकि तहसीलदार ने उसे सलाह दी थी और रामलाल को लगा कि भोली का विवाह तो वैसे भी नहीं होगा।

4. Who encouraged Bholi to speak without fear?

भोली को बिना डरे बोलने के लिए किसने प्रोत्साहित किया?

Answer: Her kind and loving teacher encouraged her.

उसकी दयालु और स्नेही शिक्षिका ने उसे निडर होकर बोलने का प्रोत्साहन दिया।

5. Who was Bishamber Nath? बिशम्बर नाथ कौन थे?

Answer: He was a middle-aged, lame, and greedy man who wanted to marry Bholi for money.

वह एक बूढ़ा, लंगड़ा और लालची व्यक्ति था जो पैसे के लिए भोली से विवाह करना चाहता था।

6. How did Bholi react when Bishamber demanded dowry?

जब बिशम्बर ने दहेज की मांग की तो भोली की क्या प्रतिक्रिया थी?

Answer: She refused to marry him and called him greedy and mean.

उसने विवाह से इंकार कर दिया और उसे लालची व नीच कहा।

7. What change did education bring in Bholi? भोली में शिक्षा से क्या परिवर्तन आया?

Answer: Education gave her confidence, courage, and self-respect.

शिक्षा ने उसमें आत्मविश्वास, साहस और आत्मसम्मान पैदा किया।

Long Answer Type Questions

1. Describe Bholi's transformation from a timid girl to a confident woman.

भोली के एक डरपोक लड़की से एक आत्मविश्वासी महिला में परिवर्तन का वर्णन करें।

Answer: At first, Bholi was a shy, stammering, and neglected girl. Everyone mocked her for her looks and dullness. When she was sent to school, she met a kind teacher who encouraged her to speak and study. Gradually, Bholi developed confidence through education. Years later, when a greedy man demanded dowry on the wedding day, Bholi refused to marry him. She stood up for her dignity and decided to serve her parents and teach in the school. Her transformation shows how education empowers women and gives them self-respect.

शुरुआत में, भोली एक शर्मीली, हकलाने वाली और उपेक्षित लड़की थी। हर कोई उसके रूप और नीरसता का मज़ाक उड़ाता था। जब उसे स्कूल भेजा गया, तो उसकी मुलाकात एक दयालु शिक्षिका से हुई जिन्होंने उसे बोलने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। धीरे-धीरे, शिक्षा के माध्यम से भोली में आत्मविश्वास विकसित हुआ। वर्षों बाद, जब एक लालची व्यक्ति ने शादी के दिन दहेज की माँग की, तो भोली ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। उसने अपने सम्मान की रक्षा के लिए अपने माता-पिता की सेवा करने और स्कूल में पढ़ाने का फैसला किया। उसका यह परिवर्तन दर्शाता है कि शिक्षा कैसे महिलाओं को सशक्त बनाती है और उन्हें आत्म-सम्मान देती है।

2. What message does the story "Bholi" convey? कहानी 'भोली' क्या संदेश देती है?

Answer: The story "Bholi" conveys a strong message about the power of education and women's empowerment. Bholi, once considered dull and ugly, becomes brave and independent through education. The story criticizes social evils like dowry and gender discrimination. It shows that when women are educated, they gain confidence to stand against injustice. Bholi's refusal to marry a greedy man symbolizes the awakening of self-respect among women. The story inspires society to give equal education and respect to girls.

कहानी "भोली" शिक्षा की शक्ति और महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त संदेश देती है। भोली, जिसे कभी मंदबुद्धि और बदसूरत समझा जाता था, शिक्षा के माध्यम से साहसी और स्वतंत्र बन जाती है। कहानी दहेज और लैंगिक भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों की आलोचना करती है। यह दर्शाती है कि जब महिलाएँ शिक्षित होती हैं, तो उनमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का आत्मविश्वास आता है। भोली का एक लालची पुरुष से विवाह करने से इनकार करना महिलाओं में आत्म-सम्मान की जागृति का प्रतीक है। कहानी समाज को लड़कियों को समान शिक्षा और सम्मान देने के लिए प्रेरित करती है।

Multiple Choice Questions

1. Who is the author of the story "Bholi"?

- a) Mulk Raj Anand b) K. A. Abbas c) Premchand d) R. K. Narayan

Answer: b) K. A. Abbas

कहानी "भोली" के लेखक कौन हैं? → के. ए. अब्बास

2. What was Bholi's real name?

- a) Savitri b) Sulekha c) Radha d) Shanti

Answer: b) Sulekha

भोली का असली नाम क्या था? → सुलेखा

3. What disease left marks on Bholi's face?

- a) Chickenpox b) Smallpox c) Measles d) Fever

Answer: b) Smallpox

भोली के चेहरे पर किस बीमारी के दाग थे? → चेचक

4. Who encouraged Bholi to study?

- a) Her mother b) Her father c) Her teacher d) Her friend

Answer: c) Her teacher

भोली को पढ़ाई के लिए किसने प्रेरित किया? → उसकी शिक्षिका ने

5. Who was Bishamber Nath?

- a) A teacher b) A shopkeeper c) A farmer d) A soldier

Answer: b) A shopkeeper

बिशम्बर नाथ क्या था? → एक दुकानदार

6. What did Bishamber demand on the wedding day?

- a) Jewelry b) Dowry of 5000 rupees c) Gold coins d) Nothing

Answer: b) Dowry of 5000 rupees

विवाह के दिन बिशम्बर ने क्या माँगा? → पाँच हजार रुपये दहेज

7. What did Bholi decide at the end?

- a) To run away b) To become a teacher and serve her parents
c) To marry Bishamber d) To leave the village

Answer: b) To become a teacher and serve her parents

कहानी के अंत में भोली ने क्या निर्णय लिया? → शिक्षिका बनने और माता-पिता की सेवा करने का

8. What is the main theme of the story "Bholi"?

- a) Love and friendship b) Education and self-respect
c) War and peace d) Money and greed

Answer: b) Education and self-respect

कहानी "भोली" का मुख्य विषय क्या है? → शिक्षा और आत्मसम्मान